SUBJECT: HINDI (03) **BLUE PRINT FOR THE MODEL QUESTION PAPER 2023-24** CLASS **: 2 PUC**

Question type	Number of questions	Marks
MCQ	**12**	**20**
SA	**15**	**42**
LA	**09**	**51**
Total	36	113

Chapter/ Content domain/ Unit/ Theme	No. of HOURS	Marks	Remember			Understand			Apply			HOTS		
			MCQ 1 mark	SA 2/3marks	LA 4/5marks	MCQ 1mark	SA 2/3marks	LA 4/5marks	MCQ 1mark	SA 2/3marks	LA 4/5marks	MCQ 1mark	SA 2/3marks	LA 4/5marks
गद्यभाग														
सुजानभगत	**6**	**4**		1		1								
कर्त्तव्य औरसत्यता	**3**	**3**								1				
गंगामैया सेसाक्षात्कार	**3**	**4**							1	1*				
एककहानीयहभी	**6**	**4**		1		1								
भारतरत्नविश्वेश्वरय्या	**4**	**3**		1*										
चीफ़ कीदावत	**5**	**4**		1*		1								
भोलारामकाजीव	**3**	**3**								1*				
यात्राजापानकी	**6**	**4**				1				1				
पद्य भाग - मध्यकालीन														
रैदासबानी	**3**	**4**									1			
सूरदासकेपद	**3**	**1**				1								
रहीमकेदोहे	**3**	**4**									1*			
बिहारीकेदोहे	3	3					1*							

आधुनिककविता														
अधिकार	**3**	**3**					**1**							
कायरमतबन	**2**	**1**							**1**					
एकवृक्षकीहत्या	**3**	**4**									**1***			
भारतकीधरती	**4**	**4**									**1**			
हो गईहैपीरपर्वत - सी	**3**	**3**					**1**							
अपठित (एकांकियाँ)														
सूखीडाली	**14**	**11**							**1**					**2(1)**
प्रतिशोध	**10**	**11**							**1**					**2(1)**
व्याकरणतथासंरचना														
वाक्यशुद्धि	**4**	**3**											**1**	
रिक्तस्थानकीपूर्ति	**3**	**5**				**5**								
काल परिवर्तन	**3**	**2**								**1**				
मुहावरे	**4**	**5**				**5**								
लिंग	**2**	**2**		**1**										
अनेकशब्दोंकेलिएएकशब्द	**3**	**2**		**1**										
पत्रलेखन	**4**	**5**												**1**
अपठितगद्यांश	**3**	**5**						**1**						
अनुवाद	**4**	**5**						**1**						
latoT	**120**	**113**	00	16		16	09	10	04	14	16	00	03	25

MODEL QUESTION PAPER- 2023-24

CLASS: II PUC SUBJECT: Hindi (03)

Time: 3 Hrs.15 Minutes. Max.Marks : 80

(Total No. of Questions: 36)

सूचना: 1) सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि में लिखना आवश्यक है |

2) प्रश्नों की क्रम संख्या लिखना अनिवार्य है |

1. अ) निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्पों को चुनकर लिखिए: 10×1=10

1. 'अभीऐसेबूढ़ेनहींहोगयेकि कोईकामही नकरसकें |'भोलाकेइसकथनकाअर्थहै–

i) सुजानभगतबूढ़ेहोगयेहैं |ii) सुजान भगतकोईकामहीनहींकरतेहैं |

iii) सुजानभगतज्यादाकामकरतेहैं |iv) सुजानभगतअभीबूढ़ेकहलानानहींचाहतेहैं |

2. 'गिराअनयन, नयन बिनुबानी'कायहअर्थनहींहै-

i) आँखोंकीजिह्वानहींहोती, जिह्वाआँखोंकेबिनाहै |

ii) जिह्वाकीआँखें नहींहोती, आँखेंबातें नहींकरसकती |

iii) जिह्वाबातेंनहींकरसकती, आँखेंदेखनहींसकती |

iv) नयन कीकोईजीभनहींकि वहवर्णनकरें, जीभकीकोईआँखें नहींकि वहदेखसकें |

3.'झूठेसेसभीघृणाकरतेहैं |'इस कथनकेआधारपरजोसहीनहींहै-

i) असत्यसेसभीघृणाकरतेहैं |ii) असत्य बोलनेवालोंकेप्रतिघृणाहै |

iii) सत्यबोलनेवालोकोसभीकोईचाहतेहैं | iv) असत्यबोलनेवालोंकोकोईनहींचाहते |

4. 'निहायत, असहाय, मजबूरी मेंलिपटामाँकात्यागकभीमेराआदर्शनहींबनसका |'

मन्नू भंडारीकेइसकथनकायहआशयनहींहै-

i) माताकीमजबूरीमन्नूभंडारीकाआदर्शनहींहै |

ii) मन्नूभंडारीकीमाताआदर्शमाताहीनहींहै |

iii) माताकीअसहायकता, मन्नूभंडारीकाआदर्शनहींहै |

iv) माताके, मजबूरीमेंलिपटाउनकात्यागमन्नूकाआदर्शनहींहै |

5.'एकफटेहालइन्सान अपनीगोदमेंघड़ियालकाबच्चालेकरदेरसेबैठाहुआहै |

उपर्युक्तकथनयहसूचितकरताहै-

i) वहबहुतखुशहै |ii) वहबहुतपीड़ितहै |

iii) वहभिखारीहै |iv) वहबहुतउत्साहितहै |

6. ' सूरदास केपद 'में 'मधुप'केसमानकहागयाहै-

i) श्रीकृष्णको ii) उद्धवको

iii) गोपिकाओंको iv) भंवरे को

7. देखनेवालोंकोआनंदमिले, इसलिएमाँ चाहतीहैकि बेटी–

i) पढ़ाईकरेंii) गहनेपहने

iii) नएकपड़ेपहने iv) सुंदर दिखें

8. 'प्रतिहिंसादुर्बलताहै, परकायरताअधिकअपावन'

उपर्युक्तपंक्तिकायहआशयनहींहै-

i) दुष्टोंकेआगेसिरझुकानाकायरताहै | ii) प्रतिहिंसादुर्बलताहीहै |

iii) दुष्टोंकोसबकसिखानाचाहिए | iv) प्रतिहिंसाकरसकतेहैं |

9. एकांकी मेंहँस -हँसकर लोट-पोट होनेवालीमँझली बहूकेपात्र काउद्देशहै-

i) घरमेंसदाहँसतेरहनाचाहिएचाहेदूसरोंकोचोटहीक्योंनपहुँचे |

ii) परिवारमेंज्यादाहँसनेवालोंकारहनाठीकनहींहै |

iii) संयुक्तपरिवारमेंसभीप्रकारकेलोगहोतेहैं, जिससेउदासीछंट जातीहै |

iv) संयुक्तपरिवारकेमुकाबलेमेंविभक्तपरिवारहीबेहतरहै |

10.'मातातोतुम्हीं हो | किसीदिनशास्त्रार्थकरकेदेखलेना |'श्रीधरपंडितकेइसकथनकाअर्थहै-

i) श्रीधरपंडितकोसंदेहहैकिसुशीलाभारविकीमाताहै |

ii) सुशीलाकोसंदेहहैकि वहभारवि कीमाताहै |

iii) श्रीधरपंडितसचमुचबतारहेहैंकि शास्त्रार्थकरकेदेखलेनाकि भारवि कीमाताकौनहै ?

iv) सुशीलाकेमनकोशांतकराने केउद्देशसेपरिहासकियागयाहै |

आ) कोष्ठक में दिए गए कारक चिह्नों से रिक्त स्थान भरिए: 5×1=5

(के , का, को, की, से, में)

11. i) कर्म के अनुष्ठान .... आनंद होता है |

ii) देसी अफसरों..... कुछ स्त्रियाँ हँस दी |

iii) कई गुफाओं..... रेल गुज़र रही है |

iv) पेंशन . . . . . केस बीसों दफ़्तरों में जाता है |

v) बरसात . . . . . पानी की तरह आँसू थमते न थे |

इ) निम्नलिखित मुहावरों को अर्थ के साथ जोड़कर लिखिए : 5×1=5

12. i) तिनक जाना	1. रक्षाकरना
ii) तार देना	2. बेकार बैठना
iii) दिल बैठ जाना	3. हाथ फैलाना
iv) मक्खी मारना	4. बहुत परिश्रम करना
v) तेली का बैल होना	5. क्रोधित होना
	6. व्याकुल होना

II. अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3×2=6

13. सुजान भगत को सबसे अधिक क्रोध बुलाकी पर क्यों आता है ?

14. पिताजी के प्रति लेखिका के क्या विचार थे ?

15. विश्वेश्वरय्या की शिक्षा के बारे में लिखिए |

16. बरामदे में पहुँचते ही शामनाथ क्यों ठिठक गये?

आ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के ससंदर्भ स्पष्टीकरण कीजिए : 2×3=6

17. ' कर्त्तव्य करना न्याय पर निर्भर है |'

18. ' एक बार जबान पे चढ़ जाए तो फिर कुछ अच्छा नहीं लगता |'

19. ' पर ऐसा कभी नहीं हुआ था |'

20. 'यहाँ तोडेंटिस्टमक्खीमारतेहोंगे |'

III अ) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 2×3=6

21. सुंदरताकेसम्बन्धमेंबिहारीकेविचारस्पष्टकीजिए |

22. बादलएवंवसंतऋतुसेहमेंक्याप्रेरणामिलतीहै ?

23.' हो गई है पीर पर्वत –सी ' ग़ज़ल में पाठकों को क्या संदेश मिलता है ?

आ) ससंदर्भ भाव स्पष्ट कीजिए : 2×4=8

24. रहिमनपानीराखिये, बिनुपानीसबसून |प्रभु जी तुम दीपक, हम बाती
पानीगएनऊबरै , मोती, मानुष, चून ||**अथवा** जाकी जोति बरै दिन राती |
प्रभु जी तुम मोती, हम धागा,
जैसे सोने मिलत सुहागा |

25. रण मेंतेग बहादुरजिसकाबच्चा-बच्चावीरहै |झुर्रियोंदार खुरदुरा तना मैलाकुचैला,
भजनभावमेंगुरुनानककीवाणीजैसाधीरहै |राइफल –सी एक सूखी डाल,
जिसधरतीकीगर्जनसे, जगतीकीगर्जनडरतीहै |**अथवा**एक पगड़ी फूल पत्तीदार,
भारतमाताकीधरती, वीरों, संतो कीधरतीहै ||पाँवों में फटापुराना जूता |

IV.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

26.'सूखीडाली 'एकांकीकेआधारपरयहसिद्धकीजिएकिसंयुक्तपरिवारकेसमर्थनमेंलेखकअश्कजीसफलहुएहैं |

अथवा

27. एकांकी' सूखीडाली'केआधारपरसंयुक्तपरिवारकीखूबियाँऔरकमियोंकीचर्चाकीजिए |

28. 'अहंकारउन्नतिमेंबाधकहै |'प्रतिशोधएकांकीकेआधारपर, श्रीधरकेइसकथनसेआपनेअपनेजीवनमेंक्यासीखा?सोदाहरणसमझाइए |

अथवा

29. ग्लानि और जीवन के सम्बन्ध में श्रीधर के विचार सेक्याआपसहमतहै? कैसे ?
उदाहरणकेसाथसिद्धकीजिए ?

V. अ) वाक्यशुद्ध कीजिए: 3

30. लड़के ने चार फल लाये | लेकिनरास्तेपरअजगरकोदेखकरउसकाहोशउड़गया | वहअपनाकामकिया |

आ) निम्नलिखित वाक्यों को सूचनानुसार बदलिए : 2

31. i) शीला ने कपड़े धोये | (वर्तमान काल में बदलिए)

ii) लड़का काम कर रहा था | (भविष्यत काल में बदलिए)

इ) अन्य लिंग रुप लिखिए: 2

32. i) कुत्ता ii) सुनार

ई) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए : 2

33. i) अवसर के अनुसार बदल जानेवाला

ii) जो कहा न जा सके

VI अ) निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 5

34. एक दूसरे की ओर आकर्षित दो प्रेमियों के योग से जीवन में एक नया रस उत्पन्न हो जाता है | प्रिय के ह्रदय का आनंद प्रेमी के हृदय का आनंद हो जाता है | प्रिय के आनंद में ही वह अपना आनंद ढूंढा करता है | प्रेम का अभाव एकांत भी होता है और लोकजीवन के नाना क्षेत्रों में भी दिखाई पड़ता है | एकांत प्रभाव अंतर्मुख प्रेम में देखा जाता है जो प्रेमी को लोक के कर्म क्षेत्र से खींचकर केवल दो प्राणियों के एक छोटे से संसार में बंद कर देता है | प्रेमी जगत के बीच अपने अस्तित्व की रमणीयता का अनुभव आप ही करता है और अपने प्रिय को भी कराना चाहता है | प्रेम के दिव्य प्रभाव से उसे अपने आसपास चारों ओर सौंदर्य की आभा फैली दिखाई पड़ती है, जिसके बीच वह बड़े उत्साह और प्रफुल्लता के साथ अपना कर्म – सौन्दर्य प्रदर्शित करता है | आदि कवि वाल्मीकि ने राम और सीता के प्रेम का विकास मिथिला या अयोध्या के महलों और बगीचों में न दिखाकर दंडकारण्य के विस्तृत कर्मक्षेत्र के बीच दिखाया है | उनका प्रेम जीवन यात्रा के मार्ग में माधुर्य फैलानेवाला है |

प्रश्न: i)' आभा ' शब्द का पर्यायवाची शब्द लिखिए |

ii) रामऔरसीताकेप्रेमकोक्यानामदियाजासकताहै?

iii) प्रेमी अपना आनन्द कहाँ खोजता है?

iv)'अपना'शब्दकेसाथप्रत्ययजोड़करएकनएशब्दकानिर्माणकीजिए?

v) उपर्युक्तअनुच्छेदकोएकउचितशीर्षकदीजिए|

आ. 35) मोहनकीबहनउच्चशिक्षापानाचाहतीहैऔरन्यायाधीशबनना चाहतीहै |

लेकिनउसकीमाताचाहतीहैकिबेटीकीशादीजल्दीहो |माताऔरबहनकासंवादप्रस्तुतहै-

बहन: क्षमाकरोमाँ, मैंशादीकरनानहींचाहती |

माँ :तुम्हारेअच्छेभविष्यकेलिएहीमैंसोचरहीहूँबेटी, वहलड़कातुम्हारेलिएठीकहोगा |

बहन:तुम्हारीभावनाओंकोमैंसमझसकतीहूँ, माँ, लेकिनकोविडकेबादस्थितिबदलगईहै |

कल्पनाकीजिएकिआपमोहनहै | आपकेपिताजीदूरकिसीदूसरेदेशमेंबसगएहैं | उपर्युक्तसंवादकेआधारपरअपनेपिताजीकोएकपत्रलिखिए |

इ) हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 5

36) 1) ನಾವುಪರಸ್ಪರಪ್ರೀತಿಯಿಂದಬಾಳಬೇಕು.

We have to live together with love.

2) ಮಾನವೀಯತೆಗಿಂತದೊಡ್ಡಧರ್ಮಇನ್ನೊಂದಿಲ್ಲ.

There is no religion as great as humanity.

3) ನಾನುನಿನ್ನೆತಡವಾಗಿಬಂದಿದ್ದೆ.

I came late yesterday.

4) ನಾವುಇಡೀಜಗತ್ತನ್ನೇಪ್ರೀತಿಸಬೇಕು.

We should love the whole world.

5) ನಾವುಎಲ್ಲಾಭಾಷೆ, ಜಾತಿ, ಧರ್ಮಗಳನ್ನುಪರಸ್ಪರಗೌರವಿಸಬೇಕು.

We should respect all language, caste, religion each other.

******